(b) if so, the details thereof; State-wise;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) whether any steps have been taken/proposed to be taken to make these schemes more effective?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI GIRIDHAR GOMANGO): (a) to (d) The Planning Commission has not conducted any separate study regarding effective implementation of various Centrally sponsored schemes in Northern States of Jammu & Kashmir, Uttar Pradesh and Himachal Pradesh. Scheme are monitored by the administrative ministries concerned. However, the Planning Commission generally reviews the implementation of Plan schemes during the Annual Plan discussions with the States.

गुजरात में गांवों को सड़कों से जोड़ना

3075. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1000 से 1500 तक की आबादी वाले 50 प्रतिशत गांवों को सातवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक सड़कों से जोड़ने की परिकल्पना की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो गुजरात में इस योजना के अन्तर्गत अब तक जिलेवार कितने गांवों को सड़कों से जोड़ा गया है ; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान जिलेवार क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटेल) : (क) जी, हां।

(ख) ग्रामीण विकास मंत्रालय राज्यों में सड़कों से जोड़े गये गांवों की जिला-वार संख्या के बारे में सूचना नहीं रखता है।

(ग) चूंकि ग्रामीण सड़कों का निर्माण करना न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य का विषय है, केन्द्र सरकार इस संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं करती है।

गुजरात में डी० डब्ल्यू० सी० आर० ए० योजनाएं

3076. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में कितने जिलों में डी० डब्ल्यू० सी० आर० ए० योजनायें आरम्भ की गई हैं ;

(ख) गत वर्ष के दौरान इन जिलों में किये गये कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा गुजरात के कौन-कौन से जिलों में ये योजनायें आरम्भ किये जाने का विचार है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटेल) : (क) गुजरात में ग्रामीण महिला तथा शिशु विकास योजना (डवाकरा) 13 जिलों में शुरू की गई है।

(ख) प्रमुख कार्य हैं—सिलाई, निटिंग, कढ़ाई, बुनाई, सिले-सिलाये कपड़े, कालीन की बुनाई, डेरी, बकरी पालन, मत्स्यपालन तथा मुर्गीपालन आदि।

(ग) अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

Target fixed under NREP for Gujarat

3077. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what were the targets fixed for Gujarat during 1991-92 under the National Rural Employment Programme and how far the targets have been achieved so far;

(b) what remedial steps have been taken by Government in this regard; and

(c) what is the number of complaints received with regard to the implementation of the National Rural Employment Programme and what action has been taken by Government on them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) (SHRI RAMESHAR THAKUR): (a) and (b) National Rural Employment Programme (NREP) which was being implemented in all the States including that of Gujarat has been merged into a new programme known as Jawahar Rozgar Yojana. (JRY) from the year 1989-90. The progress under the Yojana is monitored in terms of employment generated in mandays. Against the employment generation targets of 244.25 lakh mandays fixed for Gujarat under JRY for the year 1991-92, 254.13 lakh mandays have been generated. Since the prescribed target has been achieved, the question of taking remedial steps does not arise.

(c) During the period 1991-92, no complaints regarding mis-appropriation of JRY funds and improper implementation of Yojana in Gujarat was received in the Ministry.

गुजरात में बंजर भूमि क्षेत्र

3078. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में जिलेवार बंजर भूमि का क्षेत्र कितना-कितना है ;

(ख) बंजर भूमि के कुल कितने क्षेत्र को हरित क्षेत्र में बदला जा सकता है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य के कुल कितने क्षेत्र में वनरोपण किया गया है और आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कितने क्षेत्र को वनरोपण कार्यक्रम के अंतर्गत लाए जाने की संभावना है?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (बंजर भूमि विकास विभाग) में राज्य मंत्री (कर्नल राम सिंह) : (क) और (ख) गुजरात में बंजर भूमि का पता लगाने के लिए अभी कोई विस्तृत जिलावार सर्वेक्षण नहीं किया गया है लेकिन एक अनुमान के अनुसार, गुजरात में कुल 78.36 लाख हैक्टेयर बंजर भूमि है।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात में वनरोपण/वृक्षारोपण कार्य के अंतर्गत कवर किया गया क्षेत्र निम्न प्रकार है :—

वर्ष	वनरोपण/वृक्षारोपण (लाख हैक्टेयर में)	निजी भूमि पर वृक्षारोपण हेतु पौधों का वितरण (संख्या लाख में)
1989-90	1.95	*
1990-91	0.485	2356.36
1991-92	0.63	2511.86

* निजी भूमि पर वृक्षारोपण हेतु पौध के वितरण के लिए अलग से लक्ष्य केवल 1990-91 से ही दर्शाए गए थे।

20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत वनरोपण तथा वृक्षारोपण के लिए लक्ष्य केन्द्रीय तथा राज्य योजनाओं के तहत निधियों की उपलब्धता के अनुसार वर्ष दर-वर्ष के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। इसलिए, गुजरात में वनरोपण तथा वृक्षारोपण और पौध वितरण के अन्तर्गत 1992-93 के लिए लक्ष्य नीचे दर्शाए गए हैं :—